एसपी के निर्देशन में सभी थानों पर स्थापित होंगी साइबर हेल्पडेस्क

पीड़ितों को तत्काल मिल सकेगी सहायता

नवभारत न्यूज

पन्ना 15 सितंबर। पुलिस मुख्यालय के आदेशानुसार बढ़ते सायबर अपराधो की रोकथाम हेतु प्रत्येक जिले में जिला सायबर टॉस्क फोर्स का गठन किया गया है। पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती निवेदिता नायडू के निर्देशन एवं जिला सायबर टॉस्क फोर्स की नोडल अधिकारी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पन्ना सुश्री वंदना चौहान के मार्गदर्शन में जिला सायबर टॉस्क फोर्स के सहायतार्थ कार्य करने हेतु जिले के सभी थानो में साइबर हेल्पडेस्क की स्थापना की गई है।

साइबर हेल्पडेस्क का मुख्य उद्देश्य साइबर अपराध से पीड़ित व्यक्ति को थाना स्तर पर ही तत्काल मार्गदर्शन एवं सहायता उपलब्ध कराना है। साइबर हेल्पडेस्क के लिये थानो से नामांकित अधिकारियों/कर्मचारियों जिला सायबर टॉस्क फोर्स के पुलिस अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा पुलिस कांफ्रेंस हॉल, पन्ना में एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान एन.सी.आर.पी. पोर्टल, सी.ई.आई.आर. पोर्टल, समन्वय पोर्टलएवं हेल्पलाइन नंबर 1930 के उपयोग की जानकारी दी गई। साथ ही डिजिटल साक्ष्यों का संकलन, फॉरेंसिक प्रक्रिया तथा साइबर फ्रॉड की पहचान की तकनीकें सिखाई गईं। साइबर हेल्पडेस्क की स्थापना से पीड़ितों को ऑनलाइन ठगी, बैंक फ्रॉड, सोशल मीडिया हैकिंग, यूपीआई/एटीएम धोखाधड़ी जैसे मामलों में त्वरित राहत एवं प्रारंभिक गोल्डन आवर में धनराशि रिकवरी की सुविधा मिलेगी।

साथ ही साइबर जागरूकता अभियान भी संचालित किए जाएंगे। पुलिस अधीक्षक पन्ना ने आम नागरिकों से अपील की है कि साइबर अपराध संबंधी किसी भी घटना की सूचना तत्काल राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 अथवा नजदीकी थाना में स्थापित साइबर हेल्पडेस्क पर दें, ताकि पुलिस समय रहते आवश्यक कार्यवाही कर पीड़ितों को राहत उपलब्ध करा सके।

अयोग्य शिक्षकों के भरोसे शिक्षा व्यवस्था

प्रशासन कागजी आंकड़ों तक सीमित, जिम्मेदार मौन

नवभारत न्यूज

गुनौर/पन्ना 15 सितंबर। वर्तमान में पन्ना जिला के विकासखंड गुनौर में बीईओ से लेकर ज्यादातर हायर सेकेंण्डरी एवं हाई स्कूलों की शिक्षा व्यवस्था प्रभारियों के भरोसे चल रही है। बीईओ के प्रभारी होने की वजह से वह अपनी जिम्मेदारी केवल कागजी खाना पूर्ति के लिए समझ रहे हैं। माध्यमिक स्तर पर भी बीआरसीसी की निष्क्रियता के चलते शिक्षा व्यवस्था पूर्णतया चरमरा गई है।

शिक्षकों से लेकर बीआरसीसी, बीईओ, प्राचार्य कुछ जिला मुख्यालय में तो कुछ दूसरे जिलों में रहकर अपनी नौकरी चला रहे हैं। निरीक्षण अधिकारी निष्क्रिय होने से शिक्षक बेखौप एवं लापरवाह हो गए हैं। इसका परिणाम यह है कि शैक्षणिक स्तर में लगातार गिरावट आ रही है, संस्कार हीनता बढ़ रही है। कई तो ऐसे अयोग्य शिक्षक विषय विशेषज्ञ बनकर पदों पर आसीन हैं कि जिन विषयों में ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट हैं उन सभी विषयों के नाम भी नहीं जानते, विषयों के नाम नहीं लिख सकते। ऐसे कई शिक्षकों ने संस्कृत, अंग्रेजी, गणित, हिंदी जैसे विषयों में डिग्रियां बेचने वाले प्राइवेट संस्थानों से ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट की डिग्रियां लेकर प्रमोशन ले लिया है। किंतु उन विषयों की दक्षता न होने से शिक्षण कार्य नहीं कर पाते हैं। यह अयोग्य दक्षताहीन शिक्षक हायर सेकेंडरी एवं हाई स्कूलों में भी पदस्थ हो गए हैं। नैतिकता हीन संस्था प्रभारियों एवं निरीक्षण अधिकारियों की उदासीनता के चलते समय से विद्यालयों में शिक्षक नहीं पहुंच रहे, समय पर प्रार्थना नहीं होती, पीरियड नहीं लगते, शिक्षकों की दैनिक डायरी मेंटेन नहीं है, छात्रों को गृह कार्य नहीं दिया जाता है, मासिक टेस्ट नहीं होते, मासिक टेस्ट की कापियां नहीं जांची जाती हैं। बनावटी जानकारी देकर अयोग्य शिक्षक अपनी नौकरी चला रहे हैं। इसी का परिणाम है कि छात्र अपनी कक्षा की दक्षता नहीं रखते हैं, दसवीं में पढ़ने वाला विद्यार्थी शुद्ध हिंदी नहीं लिख पाता जोड़ घटाना नहीं बनता। इसके लिए किसकी जिम्मेदारी है कोई बतानें वाला नहीं। प्रशासनिक अधिकारी तो कागजी आंकड़ों व पत्राचार तक सीमित हैं। वहीं शासन के जिम्मेदार जनप्रतिनिधि केवल कागजी विकास, दिखावटी सम्मान व मंचीय घोषणाओं से उत्साहित होकर वाह-वाही लूट रहे हैं, जो समाज हित में नहीं है इसप्रकाश की इस प्रकार की जनकल्याणकारी समस्याएं मीडिया द्वारा लगातार प्रकाशित की जा रही हैं। किंतु दोषियों पर कार्यवाही न होने से आरोपियों के मनोबल बढ़ रहे हैं, जनता का शासन प्रशासन से विश्वास उठ रहा है। ऐसी स्थिति में क्रांति की संभावनाएं बढ़ रही हैं। जो राष्ट्र समाज के लिए बहुत बड़ी चिंतनीय विषय है। समाचार के माध्यम से जिम्मेदारों को अवगत होकर छात्र, समाज राष्ट्र हित में निर्णायक कदम उठाना चाहिए, साथ ही अयोग्य एवं लापरवाह शिक्षकों एवं नैतिकता हीन संस्था प्रभारियो पर जांच कर कार्यवाही के लिए ठोस कदम उठाना अति आवश्यक है। ताकि शिक्षा के निरंतर गिर रहे स्तर में सुधार हो सके।

फॉरेस्ट टीम ने दो सांपों का सफलतापूर्वक किया रेस्क्यू

पन्ना 15 सितंबर। आज 15 सितंबर को दक्षिण पन्ना वनमण्डल के मोहन्द्रा परिक्षेत्र में दो सांपों का सफलतापूर्वक रेस्क्यू किया गया। प्रथम घटना सुबह लगभग 80.30 बजे ग्राम मोहन्द्रा के एक निजी घर में घटी, जहाँ कोबरा सांप पाए जाने की सूचना पर वनकर्मी जयप्रकाश नारायण दुबे एवं हरिशंकर अहिरवार ने त्वरित कार्यवाही करते हुए कोबरा का सुरक्षित रेस्क्यू किया और उसे जीवित अवस्था में जंगल में छोड़ दिया। दूसरी घटना दोपहर लगभग 1.00 बजे ग्राम कुँवरपुर स्थित पीएम श्री उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के किचन में घटी, जहाँ एक काला नाग दिखाई देने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही वनकर्मी जयप्रकाश नारायण दुबे, हरिशंकर अहिरवार एवं जगदीश प्रसाद अहिरवार मौके पर पहुंचे और काले नाग का सफल रेस्क्यू कर उसे भी सुरक्षित रूप से जंगल में छोड़ा।

गंदगी के बीच बन रही प्रदूषित खाद्य सामग्री

कोई देखने वाला नहीं, खुलेआम परोसी जा रहीं बीमारियां

नवभारत न्यूज

पन्ना 15 सितंबर। शहर में बड़ा बाजार, बस स्टेंड, छत्रसाल पार्क, कटरा बाजार, नगरपालिका के सामने, जिला अस्पताल, अजयगढ़ चौराहा आदि जगहों पर ठेले खोमचे वाले चाट पकौडी, मोमोज आदि खुले में बेच रहे है। कई जगह तो नाली सहित पेशाब घर के पास खोमचे लगाए गए हैं, जहां पर पहले से ही गंदगी का अंबार है। ऐसे में लोगों को बेहद सावधानी और सतर्कता बरतनी होगी।

ज्यादातर खोमचों पर खाद्य सामग्री को खुले में ही रखा जाता है। जिससे इनमें तेज हवा चलने पर धूल, गंदगी, पहुंचती रहती है, यह गंदगी लोगों मे बीमारियों फैलाती हैं, संभवत: पूर्व मे कब खाद्य सुरक्षा औषधि प्रशासन की टीम ने ऐसे खोमचों पर कार्यवाही की है, यह विभाग को भी ध्यान नहीं होगा।

पेट संबंधी हो सकती है बीमारियां:- खुले में रखकर बेची जा रही चाट पकौडी, समोसा सहित पुरानी बस्ती में हो रही नमकीन एवं मुर्रा और गुड़ के लड्डू आदि वस्तुओं के दूषित होने पर पेट संबंधी बीमारियां हो सकती हैं। डायरिया, हैजा, कालरा आदि लोगों को आसानी से शिकार बना सकते हैं।

खुले मे बिकने वाले खाद्य पदार्थो के खाने से डायरिया, हैजा, अपच, कालाइटिस जैसी बीमारियां हो सकती है। इसके अलावा लिवर खराब हो सकता है, ऐसा नहीं है कि दूषित खाद्य सामग्री से बीमारियों के संबंध में विभाग को जानकारी नहीं है, लेकिन सब कुछ समझौता वादी संस्कृति के चलते यह सब चल रहा है।

बाहर से आए व्यापारियों का सत्यापन नहीं

शहर के शिक्षण संस्थानों और व्यापारिक काम काज की वजह से बाहर से आकर नगर में रहने वाले लोगों की संख्या बढती जा रही है साथ ही अन्य व्यावसायिक प्रयोजनों से भी बाहर के लोग बडी तादाद में यहां आ रहे हैं। इन लोगों के साथ शहर में किराएदारों की संख्या भी बढी है। अधिकारिक अनुमान है कि शहर की कुल आबादी में 20-25 प्रतिशत किराएदार या बाहरी लोग होते हैं, लेकिन बडे ही आश्चर्य की बात है कि ऐसे लोगों का रिकार्ड शहर के थानों पर न के बराबर है यानि शहर के सभी किराएदारों का पुलिस वेरिफिकेशन नहीं हो पा रहा है हालांकि इसकी जिम्मेदारी मकान मालिकों की भी है और उनकी सुरक्षा के लिए भी यह जरूरी भी, लेकिन वह भी इसे लेकर उदासीन हैं। फलस्वरूप शहर में ऐसे बहुत से अनजान किराएदारों के मकानों में रह रहे है।

पुलिस ने फरार वारंटी को नोएडा से किया गिरफ्तार

नवभारत न्यूज

पन्ना 15 सितंबर। पन्ना पुलिस को फरार स्थाई वारंटियों की धरपकड़ अभियान के तहत एक और बड़ी सफलता प्राप्त हुई है।

पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमति निवेदिता नायडू के मार्गदर्शन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुश्री वंदना चौहान एवं एसडीओपी अजयगढ़ राजीव सिंह भदौरिया के निर्देशन तथा थाना प्रभारी अजयगढ़ निरीक्षक बखत सिंह ठाकुर के नेतृत्व में गठित विशेष टीम एवं साइबर सेल की सक्रिय भूमिका से लंबे समय से फरार चल रहे स्थाई वारंटी रवि अहिरवार पिता नीलकंठ अहिरवार, निवासी नेहरा थाना चंदला, जिला छतरपुर को नोएडा (उत्तर प्रदेश) से गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त हुई। आरोपी रवि अहिरवार पिछले लगभग 05 वर्षों से फरार था तथा गिरफ्तारी से बचने के लिए नोएडा (उ.प्र.) में लगातार छिपकर रह रहा था। थाना अजयगढ़ पुलिस एवं साइबर सेल टीम ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी के निवास स्थान पर दबिश दी और उसे गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

कल टाउन हॉल परिसर में महिला स्वास्थ्य शिविर एवं रक्तदान शिविर का आयोजन

नवभारत न्यूज

पन्ना 15 सितंबर। महिलाओं एवं किशोरियों के स्वास्थ्य की सम्पूर्णता के लिए 'स्वस्थ्य नारी, सशक्त परिवार' अभियान का शुभारंभ 17 सितम्बर को यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मध्य प्रदेश से करेंगे।

अभियान के अंतर्गत दिनांक 17 सितंबर को जिला मुख्यालय पर टाउन हॉल परिसर में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया हैं शिविर मे विषय विशेषज्ञो द्वारा महिलाओ के स्वास्थ्य संबंधी विभिन्न जॉचे उच्च रक्तचाप, मधुमेह, कैंसर, क्षय रोग(टीबी) की स्क्रीनिंग, सिकलसिकल सेल रोग की जॉच, पोषण परामर्श, महिलाओ और किशोरियों के लिए माहवारी स्वच्छता पर परामर्श, मातृ एवं शिशु देखभाल, टीकाकरण सेवाएं, मानिसक स्वास्थ्य से जुडे महत्वपूर्ण मुद्दो पर परामर्श और उपचार सेवाएं उपलब्ध कराई जाएगी। शिविर में जॉच उपरांत परिणाम का स्वास्थ्य कार्ड संबंधित महिलाओ को प्रदान किया जाएगा।

कृत्रिम गर्भाधान कार्यकर्ताओं को दिया प्रशिक्षण

नवभारत न्यूज

पन्ना 15 सितंबर। पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा सोमवार को जिला पंचायत के सभाकक्ष में दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान के तहत कृत्रिम गर्भाधान कार्यकर्ताओं (मैत्री) को प्रशिक्षण प्रदान किया। यह कार्यक्रम मुख्य कार्यपालन अधिकारी उमराव सिंह मरावी की अध्यक्षता में संपन्न हुआ।

इसके अतिरिक्त उप संचालक डॉ. नरेन्द्र गुप्ता, अतिरिक्त उप संचालक डॉ. प्रियंका सिंह, पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञ डॉ. कुलदीप गौतम, पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी डॉ. दिनेश पटेल, पारी प्रबंधक आर.के. मिश्रा एवं प्रगणक एस.पी. त्रिपाठी भी उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि आगामी 2 से 9 अक्टूबर तक दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान कार्यक्रम आयोजित किया जाना है।

इसमें पशुपालकों एवं किसानों को कृत्रिम गर्भाधान से नस्ल सुधार, सेक्सड सॉर्टेड तकनीक, एंब्रियो ट्रांसफर तकनीक, पशु पोषण, बीमारियों से पशुओं का बचाव और टीकाकरण एवं बधियाकरण के बारे में जानकारी प्रदान कर पशुपालकों एवं किसानों की जागरूकता के लिए जरूरी प्रशिक्षण दिया गया।

अंधविश्वास के चलते आज भी जादू टोना के शक में नहीं रुक रहीं हत्याएं

नवभारत न्यूज

पन्ना 15 सितंबर। हम कितने ही 21वीं सदी में कदम रखने की बात देश विदेशों में करते हैं, और तरक्की की बखान कर अपनी ही वाहवाही करने के लिये अमादा होते हैं, परंतु जमीनी हकीकत यह है कि देश की 75 फीसदी ग्रामीण जनता से ही इस देश की पहचान बनी हुई है। वहीं जनता आज अंधविश्वासों के दल दल में फंसी हुई है।

परिणामस्वरूप अंधविश्वास के चलते जिले में किसी न किसी गांव में जादू के शक पर हत्या करने का सिलसिला बदस्तूर जारी है। अभी हाल ही में कुछ दिन पूर्व एक मां द्वारा कथित तौर पर अपने ही जवान बेटे की बलि देने की चर्चाएं सरगर्म हुई थी। परंतु इस तरह की हत्याएं मानवीय संवेदनाओं को कुरेद देती है और प्रशासन इस तरह की हत्याओं पर संजीदा नहीं दिखाई दे रहा है।

परिणाम स्वरूप जिले में ही नहीं अन्य स्थानों पर भी इस तरह की घटनाओं का प्रकाशन आये दिन समाचार पत्रों और इलेक्ट्रिानिक चैनलों पर देखने को मिलता है।

जिस पर अभी तक ऐसे अंधविश्वास प्रकरणों की गंभीरता से लेने के लिये संविधान में विशेष प्रावधान नहीं करने के कारण अंधविश्वास ग्रामीण अंचलों से चलकर महानगरों की 5 सितारा होटलों तक पहुंच रहा है।

जागरुकता की कमी

ग्रामीण अंचलों में जरूरत है जागरूकता और शिक्षा की ताकि अंधविश्वास और जादू टोने टोटके की आड़ में गरीब और मजबूर लोगों को बेवजह हत्या न की जा सके। क्योंकि देखा जा रहा है, कि जादू टोने के शक में दुश्मनी और वैमनस्यता के कारण लोग अपने सगे संबंधियों के भी खून के प्यासे हो जाने से बाज नहीं आते हैं और अंतत: परिणाम बेहद भयावह और हृदय विदारक देखने और सुनने में आते हैं। इस तरह की, खामियों को दूर करने के लिये जागरूकता इस मामले में ग्रामीण क्षेत्रों में होन बेहद जरूरी है।

अंतर महाविद्यालय जिला स्तरीय बैडमिंटन पुरुष प्रतियोगिता का हुआ सफल आयोजन

नवभारत न्यूज

पन्ना 15 सितंबर। आज दिनांक 15 सितंबर को छत्रसाल शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय पन्ना के विज्ञान खंड स्थित क्रीड़ा विभाग में अंतर महाविद्यालय जिला स्तरीय बैडमिंटन पुरुष प्रतियोगिता का आयोजन किया गया उक्त प्रतियोगिता में छत्रसाल कॉलेज एवं शासकीय महाविद्यालय पवई के खिलाड़ियों द्वारा सहभागिता की गई।

चयनकर्ता के रूप में शासकीय महाविद्यालय गुन्नौर के क्रीड़ा अधिकारी डॉ. जितेंद्र पाण्डेय एवं शासकीय महाविद्यालय देवेंद्र नगर के क्रीड़ा अधिकारी डॉ. अरुण कुमार सिंह तथा शासकीय महाविद्यालय पवई से कोच के रूप में डॉ कमल प्रताप परमार उपस्थित रहे। प्रतियोगिता का उद्घाटन सत्र में चयनकर्ताओं द्वारा दोनों टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया गया तदुपरांत पहला मैच महाविद्यालय के खिलाड़ी ओम गुप्ता एवं शासकीय महाविद्यालय पवई के खिलाड़ी आदेश प्रताप सिंह के विरुद्ध खेला गया। जिसमें पन्ना महाविद्यालय का छात्र विजेता रहा दूसरा मैच छत्रसाल शासकीय महाविद्यालय के छात्र आदित्य मिश्रा एवं शासकीय पवई महाविद्यालय के छात्र पुष्पराज सिंह के बीच खेला गया। जिसमें भी महाविद्यालय के देवेश मिश्रा ने जीत हासिल की तत्पश्चात रैंकिंग मैचेस खेले गए जिसमें नंबर एक रैंक पर छत्रसाल कॉलेज की छात्र आशुतोष गोस्वामी ने अपनी लास्ट ईयर की स्थिति बरकरार रखी। तत्पश्चात इसी क्रम में तनिष्क तिवारी ,अभिनय सिंगल, अमन खान, देवेश मिश्रा, ओम गुप्ता इत्यादि की रैंकिंग निर्धारित की गई। समापन अवसर पर महाविद्यालय की क्रीड़ा अधिकारी धर्मेंद्र यादव द्वारा संपूर्ण प्रतियोगिता का प्रतिवेदन एवं अन्य महाविद्यालय से आए हुए क्रीड़ा अधिकारियों के आभार प्रदर्शन के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर महाविद्यालय के 100 से अधिक छात्र-छात्राएं इनडोर हॉल में उपस्थित रहे एवं प्रतियोगिता प्रेषक के रूप में वाणिज्य संकाय के डॉ बी. एन. जायसवाल सर ने अपने दायित्व का निर्वहन किया। महाविद्यालय के छात्रों की इस सफलता पर प्राचार्य डॉ एस.डी. चतुर्वेदी द्वारा हर्ष व्यक्त किया गया एवं आने वाले संभाग स्तरीय प्रतियोगिताओं के लिए खिलाड़ियों को शुभ कामनाएं प्रेषित की। संभाग स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन भी महाविद्यालय द्वारा 25 एवं 26 सितंबर को प्रस्तावित है।

नि:शुल्क शिविर में 1088 व्यक्ति लाभांवित

पन्ना 15 सितंबर। आयुष विभाग द्वारा गत शनिवार को आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में मानसिक स्वास्थ्य रोगों की जांच और बुनियादी प्रबंधन की थीम पर आयोजित नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविरों में 1088 व्यक्तियों को लाभांवित किया गया। आयुष्मान आरोग्य मंदिर पन्ना, मड़ला, बृजपुर, पहाड़ीखेरा, बहिरवारा, झिन्ना, मकरंदगंज, महेबा, श्यामगिरी, कोठी, सथनियां, बिसानी, बघवार, यूनानी द्वारी और होम्योपैथी पवई के आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में संपन्न हुए नि:शुल्क चिकित्सा शिविर में आयुष चिकित्सकों ने जांच कर उपचार प्रदान किया।

सर्किट हाउस में सेन समाज की बैठक हुई

नवभारत न्यूज

अजयगढ़/पन्ना 15 सितंबर। गत दिवस 14 सितंबर को सेन समाज संगठन के नवनिर्वाचित पन्ना जिला अध्यक्ष संतोष कुमार सेन के प्रथम आगमन पर सर्किट हाउस पन्ना मे एक बैठक का आयोजन किया गया जिसमे सभी पन्ना जिले के ब्लाक के सेन समाज के लोग शामिल हुये।

जिसमे सभी ने अपने अपने विचार रखे एंव समाज को आगे बढाने एंव एक नई दिशा में ले जाने को लेकर चर्चा कि गयी एंव पन्ना सिमरिया गुनौर अजयगढ़ आमनगंज शाहनगर देवेन्द्र एंव समस्त तहसील के लोगो द्वारा नवनिर्वाचित अध्यक्ष संतोष कुमार सेन का फूल मालाओ से भव्य स्वागत किया गया तो वही जिला अध्यक्ष संतोष कुमार सेन द्वारा बैठक मे आये हुये सेन समाज की बहने एंव सभी बुर्जग लोगो एवं भाईयो का स्वागत गुलदस्ता एंव शाल से किया गया। जहाँ सभी लोगो द्वारा अध्यक्ष की सराहना की। इस बैठक में प्रमुख रूप से रामकेश सेन प्रदेश अध्यक्ष, जन सेवा दल अजय कुमार सेन पूर्व जिला अध्यक्ष राष्ट्रीय नाई सभा प्रदीप सेन समाज सेवी पूर्व उपाध्यक्ष राम प्रसाद सेन अंतराष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग के उपाध्यक्ष गुनौर चन्द्रभान सेन सहित सेन समाज के लोग शामिल रहे

दो दिवसीय आदि कर्मयोगी प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित

नवभारत न्यूज

पवई 15 सितम्बर। बीते 14 सितंबर से जनपद पंचायत पवई के बीआरसी भवन में जनजातीय कार्य मंत्रालय एवं आदिम जाति कल्याण शाखा पन्ना के आदेश अनुसार जनपद पंचायत अंतर्गत आने वाले 75: से अधिक आदिवासी बाहुल्य 9 ग्राम पंचायत के 16 ग्रामों की 75: आबादी को शासन के द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं से शत प्रतिशत जोड़ना, लाभ पहुंचाना, उन्हें सशक्त बनाना मजबूत बनाना आदि के लिए धरती आवा कार्यक्रम व आदि कर्म योगी के प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया था।

सभी कर्म योगियों को शासन द्वारा चलाई जा रही महत्वाकांक्षी जनकल्याणकारी शिक्षा, स्वास्थ्य आदि योजनाओं को ऐसे लोगों तक सत प्रतिशत पहुंचाना और उन्हें विकास की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए प्रशिक्षित किया गया। सोमवार को इस दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का समापन हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मोहनी आनंद मिश्रा, जनपद उपाध्यक्ष तहसीलदार त्रिलोक सिंह एवं जनपद सदस्यों के द्वारा 40 कर्म योगियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर मास्टर ट्रेनर्स के रूप में वन विभाग से बी के खरेएशिक्षा विभाग से संतोष कुमार गौतमएमहिला एवं बाल विकास विभाग से श्रद्धा श्रीवास्तवए छात्रावास अधीक्षक राजभान नगायचएजनपद पंचायत पवई से लोकनाथ बागरी शेख महबूब एविपिन खरे, राहुल पटेल के साथ कर्म योगी मौजूद रहे।

मप्र भू-संपदा विनियामक प्राधिकरण ने लगाया शिविर

नवभारत न्यूज

पन्ना 15 सितंबर। म.प्र. भू-संपदा विनियामक प्राधिकरण (रेरा) द्वारा सोमवार को कलेक्टेऊट सभाकक्ष में जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जिला मुख्यालय पर आयोजित शिविर का मुख्य उद्देश्य संबंधितजनों को भू-संपदा परियोजना से संबंधित अधिनियम एवं नियम तथा प्रक्रियाओं की जानकारी से अवगत कराना था।

जागरूकता शिविर में कलेक्टर सुरेश कुमार सहित एसडीएम आलोक मार्को, संयुक्त कलेक्टर कुशल सिंह गौतम, डिप्टी कलेक्टर अनिल तलैया एवं नगरीय निकायों के सीएमओ भी उपस्थित रहे। प्राधिकरण के विशेष सचिव एवं सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी राजेश बहुगुणा ने जागरूकता शिविर में रेरा एक्ट सहित भू-संपदा क्षेत्र एवं चुनौतियां, विभिन्न कानून की आवश्यकता, उद्देश्य, प्रभावशीलता, बिल्डर एवं आवंटिती के अधिकार व कर्त्तव्य, पंजीयन के लिए आवश्यक दस्तावेज तथा अन्य महत्वपूर्ण प्रावधानों की जानकारी से अवगत कराया। साथ ही प्राधिकरण की संरचना, कार्य, शक्तियां, शास्तियां, रिफंड एवं क्षतिपूर्ति इत्यादि के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी भी दी। इस अवसर पर आवंटियों का संरक्षण, एक्ट की विभिन्न धाराओं तथा पन्ना जिले में रेरा में पंजीकृत तीन परियोजनाओं के बारे में भी अवगत कराया गया। इसके अतिरिक्त शिकायत निराकरण प्रक्रिया की जानकारी भी दी गई।

विशेष सचिव श्री बहुगुणा ने बताया कि रेरा एक्ट एक मई 2017 से प्रभावी ढंग से प्रभावशील है। इसके माध्यम से अलाटी के अधिकारी सुरक्षित किए गए हैं। साथ ही प्रमोटर अथवा बिल्डर द्वारा निर्धारित शर्त अनुसार आवंटिती के पक्ष में विभिन्न हितलाभ का अनुपालन भी सुनिश्चित किया गया है। उन्होंने कहा कि अवैध कॉलोनाइजरों के विरूद्ध जांच अथवा शिकायत के लिए रेरा में संपर्क किया जा सकता है।